दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२६९ वा | मंगळवार २९ एप्रिल २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

वक़्फ़ संशोधन के तहत संपत्तियाँ पूंजीपतियों को सौंपने की साज़िश-डॉ.कासिम रसूल इलियास

संविधान विरोधी क़ानून रद्द होने तक आंदोलन जारी रखने की घोषणा

औरंगाबाद, २८ अप्रैल (प्रतिनिधि): सत्ताधारी दल ने अपनी संख्या बल का दुरुपयोग करते हुए करोड़ों मुसलमानों, अल्पसंख्यकों और न्यायप्रिय नागरिकों की इच्छा के विरुद्ध वक़्फ़ अधिनियम में मनमानी और भेदभावपूर्ण संशोधन पारित कर दिए हैं। हम इन संशोधनों को पूरी तरह से खारिज करते हैं क्योंकि ये देश की सबसे बड़ी अल्पसंख्यक आबादी के संवैधानिक और मूल अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। यह बात ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. कासिम रसूल इलियास ने आज एक पत्रकार वार्ता में कही।

डॉ. इलियास ने कहा कि इन संशोधनों के माध्यम से मुसलमानों को अपनी धार्मिक वक़्फ़ संपत्तियों का स्वतंत्र रूप से प्रबंधन करने से रोका गया है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद २५ और २६ हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता और अपने धार्मिक व कल्याणकारी संस्थान स्थापित करने तथा उनका संचालन करने का अधिकार प्रदान करते हैं। नया क़ानून इन मूलभूत अधिकारों का खुला उल्लंघन करता है।

डॉ. इलियास ने आगे कहा कि केंद्रीय वक़्फ़ परिषद और राज्य वक़्फ़ बोर्डों के सदस्यों के चुनाव से संबंधित संशोधन सरकार की दुर्भावना को उजागर करते हैं। वक़्फ़दाता (वाकिफ़) के लिए

पाँच वर्षों तक मुसलमान रहने की शर्त संविधान के अनुच्छेद १४ और २६ तथा इस्लामी शरीयत दोनों के विरुद्ध है। ये संशोधन पूरी तरह भेदभावपूर्ण हैं और भारतीय संविधान के अनुच्छेद १४ का उल्लंघन करते हैं।

जहाँ हिंदू, सिख, ईसाई, जैन और बौद्ध धर्मों की धार्मिक संपत्तियों को कानूनी संरक्षण प्राप्त है, वहीं मुसलमानों से यह अधिकार छीनने का प्रयास किया गया है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और अन्य धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं तथा मुस्लिम बुद्धिजीवियों ने संसद की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के समक्ष मौखिक और लिखित विरोध दर्ज कराया था। देशभर के लगभग पाँच करोड़ मुसलमानों ने ईमेल के माध्यम से अपनी असहमति दर्ज कराई थी, लेकिन संसदीय और लोकतांत्रिक परंपराओं की अवहेलना करते हुए उन आपत्तियों को नज़रअंदाज़ कर दिया गया। डॉ. इलियास ने कहा कि अब इन संशोधनों के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की गई है और जनता की अदालत में भी न्याय की गुहार लगाई जा रही है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने इस उद्देश्य के लिए तीन महीने का विस्तृत और शांतिपूर्ण आंदोलन का कार्यक्रम तैयार किया है, जिसे पूर्ण निष्ठा और संकल्प के साथ लागू किया जाएगा।

आज राज्य स्तरीय समिति ने पूरे महाराष्ट्र में आंदोलन के कार्यक्रम तय किए हैं। राज्य के सभी अल्पसंख्यक धार्मिक संस्थान, राजनीतिक और सामाजिक नेता इस आंदोलन में सम्मिलित रहेंगे। पूरा कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण और संविधान व कानून के दायरे में रहेगा।

इस पत्रकार वार्ता में डॉ. कासिम रसूल इलियास के अलावा बोर्ड के सचिव मौलाना फ़ज़लुर्रहमान मजीद्दी, बोर्ड के सदस्य मौलाना इलियास ख़ान फ़लाही, मौलाना मोहम्मद शरीफ़ निज़ामी, मोहम्मद हुसैन रज़ा, कॉमरेड अभय टाकसाल सहित अनेक सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक नेता उपस्थित रहे।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद बांग्लादेशियों की आड़ में मुसलमानों पर हो रहा अत्याचार बंद किया जाए-अबू आसिम आज़मी

मुसलमानों को निशाना बनाए जाने और नितेश राणे की भड़काऊ गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग

मुंबई, २८ अप्रैल (अज़ीज़ एजाज़):

पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश में नफरत का माहौल तेजी से फैल रहा है। बांग्लादेशियों के नाम पर मुसलमानों को हिंसा का निशाना बनाया जा रहा है। राज्य सरकार में मंत्री नितेश राणे लगातार मुसलमानों के खिलाफ ज़हर उगल रहे हैं। संविधान की शपथ लेने के बावजूद वे नफरत का माहौल बना रहे हैं। मुसलमानों पर हो रही हिंसा को रोकने की मांग को लेकर आज अबू आसिम आज़मी ने राजभवन में राज्यपाल रमेश बैस से मुलाकात की और तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

अबू आसिम आज़मी ने महाराष्ट्र में मुसलमानों पर हो रहे अत्याचार और बांग्लादेशियों की आड़ में मुसलमानों के साथ हो रही ज्यादतियों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने

सरकार और राज्यपाल से इस गंभीर स्थिति में तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील की।

आज़मी ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद दो समुदायों के बीच नफरत फैलाने की साजिश खुलकर सामने आ रही है। कुछ नफरती तत्व इस माहौल को और अधिक भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। दादर में बांग्लादेशियों के नाम पर मुसलमानों पर हमला किया गया, साथ ही फुटपाथ विक्रेताओं और रेहड़ी-पटरी वालों को भी हिंसा का शिकार बनाया गया। अबू आसिम आज़मी ने कहा कि पहलगाम हमले में धर्म पूछकर निर्दोषों की हत्या की गई, लेकिन वहीं कश्मीरियों ने पीड़ित पर्यटकों की मदद की। कश्मीरी युवक सैयद हुसैन ने अपनी जान की बाजी लगाकर भारतीय पर्यटकों की रक्षा की और कश्मीरियों ने संकट में फंसे पर्यटकों के लिए अपने घरों के दरवाजे खोल दिए। इसके विपरीत, मंत्री नितेश राणे मुसलमानों के बहिष्कार की बातें कर रहे हैं और मुस्लिम व्यापारियों से खरीदारी बंद करने की सलाह दे रहे हैं।

इतना ही नहीं, नितेश राणे ने हिंदुओं से अपील की है कि वे केवल हनुमान चालीसा का पाठ करने वाले दुकानदारों से ही खरीदारी करें और सामान खरीदने से पहले दुकानदार से हनुमान चालीसा का पाठ करवाएं। अबू आसिम आज़मी ने कहा कि मंत्री पद पर रहते हुए नितेश राणे का यह व्यवहार असंवैधानिक है, इसलिए उन्हें तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाए।आज़मी ने बताया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी शिकायत की गई थी, लेकिन राज्य में नफरत का माहौल अब भी जारी है और हालात खराब किए जा रहे हैं। इसी कारण अब उन्होंने राज्यपाल से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। अबू आसिम आज़मी ने राज्यपाल को इस बाबत एक ज्ञापन भी सौंपा।

मुंबई में १ मई से 'वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट'; प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे उद्घाटन

(रिपोर्ट: जमीर काज़ी)

मुंबई, प्रतिनिधि:

मुंबई के बीकेसी स्थित जियो वर्ल्ड सेंटर में १ से ४ मई तक 'वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट' का आयोजन किया गया है। इस भव्य कार्यक्रम का उद्घाटन १ मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों संपन्न होगा। इस बात की जानकारी उद्योग मंत्री उदय सामंत ने सोमवार को बीकेसी में आयोजित एक पत्रकार परिषद में दी।

इस समिट की मेजबानी महाराष्ट्र सरकार कर रही है और आयोजन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी १ मई को पूरे दिन मुंबई में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार भी उपस्थित रहेंगे।

उद्योग मंत्री सामंत ने कहा कि मुंबई एक अंतरराष्ट्रीय दर्जे का शहर है और खास तौर पर हिंदी फिल्म उद्योग का प्रमुख केंद्र माना जाता है। भारतीय फिल्म उद्योग के जनक दादासाहेब फाळके ने महाराष्ट्र में मराठी सिनेमा की शुरुआत की थी। इसलिए मनोरंजन के क्षेत्र में मुंबई देश का अग्रणी शहर है। साथ ही, पिछले तीन वर्षों में महाराष्ट्र विदेशी निवेश के मामले में भी पहले स्थान पर रहा है। पर्यटन के क्षेत्र में भी महाराष्ट्र वैश्विक स्तर पर अन्य देशों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है। इसी दृष्टि से इस समिट का उद्देश्य महाराष्ट्र की सांस्कृतिक, औद्योगिक और पर्यटन परंपराओं को वैश्विक मंच पर स्थापित करना है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने इसी उद्देश्य से मुंबई को इस आयोजन के लिए चुना है।

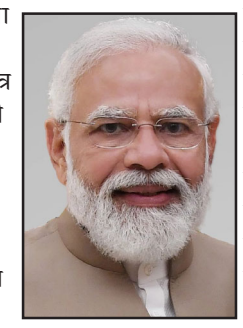

इस कार्यक्रम में ३३ देशों के मंत्री और मंत्रीस्तरीय अधिकारी तथा १२० अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हिस्सा लेंगे। साथ ही, बॉलीवुड, टॉलीवुड और मराठी फिल्म उद्योग के कई दिग्गज कलाकार व निर्माता भी इस समिट में शामिल होंगे। चार दिवसीय इस आयोजन में भारत, महाराष्ट्र, तेलंगाना सहित विभिन्न संस्थाओं के पवेलियन स्थापित किए जाएंगे, जिनका उद्घाटन भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों पर आधारित परिसंवाद, राउंड टेबल कांफ्रेंस और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। विशेष आकर्षण के रूप में ३ मई को नवी मुंबई के डी. वाई. पाटिल स्टेडियम में प्रसिद्ध संगीतकार ए. आर. रहमान का भव्य सांगीतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

प्रकाश आत्माराम सुलाखे को एशिया वन इंटरनेशनल ग्रेटेस्ट लीडर पुरस्कार से सम्मानित

पुणे/बीड़, प्रतिनिधि:

मूल रूप से बीड़ (चकलंबा) के निवासी और वर्तमान में पुणे के प्रतिष्ठित उद्यमियों में शुमार प्रकाश आत्माराम सुलाखे को एशिया वन इंटरनेशनल ग्रेटेस्ट लीडर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उन्हें केंद्रीय राज्य मंत्री एस. पी. सिंह बघेल के हाथों प्रदान किया गया। इस सम्मान के माध्यम से उनके उद्योग क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को मान्यता मिली है, जिससे बीड़ और पुणे का नाम रोशन हुआ है।

वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ आंदोलन में नेतृत्व की गैर-जिम्मेदारी उजागर

औरंगाबाद, २८ अप्रैल (प्रतिनिधि): वक्फ संशोधन कानून के विरोध में देशभर में मुसलमानों के बीच आक्रोश है और मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने आंदोलन का आह्वान किया है। लेकिन औरंगाबाद में तय समय से पहले असदुद्दीन ओवैसी द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लेने से आंदोलन में आपसी फूट और नेतृत्व की गैर-जिम्मेदारी उजागर हुई।

स्थानीय पदाधिकारियों की मनमानी और व्यक्तिगत प्रचार की प्रवृत्ति ने आंदोलन की गंभीरता को नुकसान पहुँचाया। सही समय पर संयुक्त प्रेस

कॉन्फ्रेंस आयोजित न कर पाने और मीडिया प्रबंधन में असफलता के कारण मुस्लिम नेतृत्व की नीयत और ईमानदारी पर सवाल खड़े हो गए हैं।

अब आवश्यकता इस बात की है कि व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को त्याग कर आंदोलन को ईमानदारी और गंभीरता से आगे बढ़ाया जाए, वरना भविष्य में आंदोलन की कोई दास्तान भी नहीं बचेगी।

तस्वीर नामा

एकजुटता

देश कि हो बात तो चट्टान है हम ।
एकजुटता कि भी पहेचान है हम ।
पुरे न होंगे कभी ना पाक इरादे ।
वतन के सच्चे मुसलमान है हम ।

काजी मखदूम

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

१५ अगस्त तक सरकार की सभी सेवाएं ऑनलाइन करें-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

(ज़मीर काज़ी)
मुंबई, प्रतिनिधि :

महाराष्ट्र लोकसेवा हक्क अधिनियम को अधिक जनोपयोगी बनाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। १५ अगस्त २०२५ तक राज्य सरकार की सभी सेवाओं को ऑनलाइन किया जाए। जो विभाग अपनी सेवाओं को तय समय तक ऑनलाइन नहीं करेगा, उस विभाग से प्रतिदिन प्रत्येक सेवा के लिए १००० रुपये जुर्माना वसूला जाएगा। ऐसा निर्देश मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दिया।

सह्याद्री अतिथिगृह में सामान्य प्रशासन विभाग (प्रशासकीय नवाचार, उत्कृष्टता व सुशासन) और महाराष्ट्र राज्य सेवा हक्क आयोग के संयुक्त तत्वावधान में महाराष्ट्र लोकसेवा हक्क अधिनियम, २०१५ की दशकपूर्ति एवं प्रथम सेवा हक्क दिवस के अवसर पर राज्यस्तरीय समारोह आयोजित किया गया था। इसी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री फडणवीस संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार, मंत्री मंगलप्रभात लोढा, मुख्य सचिव सुजाता सौनिक, राज्य सेवा हक्क आयोग के मुख्य आयुक्त मनुकुमार श्रीवास्तव, आयोग के नव-नियुक्त ब्रांड एंबेसडर पद्मश्री शंकर महादेवन, अभिनेत्री सोनाली कुलकर्णी, पूर्व राज्य सेवा हक्क मुख्य आयुक्त स्वाधीन क्षत्रिय, कोकण के आयुक्त बलदेव सिंह, पुणे के आयुक्त दिलीप शिंदे सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र लोकसेवा हक्क अधिनियम के तहत फिलहाल १००० से अधिक सेवाओं को अधिसूचित किया गया है, जिनमें से लगभग ५८३ सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं। शेष ३०६ सेवाओं को भी ऑनलाइन लाना बाकी है, जबकि १२५ सेवाएं ऑनलाइन होते हुए भी कॉमन पोर्टल पर उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विभाग १५ अगस्त २०२५ तक अपनी समस्त सेवाओं को ऑनलाइन करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने संविधान में जो मौलिक अधिकार शामिल किए, वे सभी नागरिकों को सुनिश्चित रूप से मिलें, यह जरूरी है। पिछले १० वर्षों में तकनीकी क्षेत्र में जबरदस्त प्रगति हुई है और इसी के अनुरूप सेवाओं को अधिक तीव्र गति से नागरिकों तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्रालय में शुरू किए गए फेस वेरिफिकेशन ऐप के कारण भीड़ में काफी कमी आई है। सरकार का उद्देश्य नागरिकों के जीवन में 'ईज ऑफ लिविंग' लाना है। यदि सभी सेवाएं व्हाट्सऐप और सरकारी वेबसाइटों पर उपलब्ध हो जाएंगी तो नागरिकों की शिकायतें भी काफी हद तक कम होंगी और जीवन स्तर बेहतर होगा।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने भाषण में कहा कि लोकतंत्र में जनता के लिए कर्तव्य भावना से कार्य करना चाहिए। लोकसेवा केवल एक कानून नहीं, बल्कि एक महान भावना है। मुख्य सचिव सुजाता सौनिक ने कहा कि सरकार अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग कर नागरिकों को ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है और इस दिशा में माइक्रोसॉफ्ट के साथ भी करार किया गया है। महाराष्ट्र डिजिटल गवर्नेंस में देश का आदर्श मॉडल बनेगा। इस अवसर पर वर्धा के तत्कालीन जिलाधिकारी राहुल कर्डिले को 'सेवादूत' परियोजना शुरू करने के लिए, यवतमाल के जिलाधिकारी पंकज आशिया को 'अभिप्राय कक्ष' शुरू करने के लिए, और कोल्हापुर के जिलाधिकारी अमोल येडगे को जिले में पथदर्शी परियोजना प्रारंभ करने के लिए मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित किया गया

वरिष्ठ पत्रकार काज़ी हयातुल्ला के निधन पर पालक मंत्री ना. अजित दादा पवार ने व्यक्त किया शोक

गेवराई, प्रतिनिधि: गेवराई तालुका के पहले वरिष्ठ पत्रकार काज़ी हयातुल्ला के निधन पर महाराष्ट्र राज्य के उपमुख्यमंत्री तथा बीड़ जिले के पालक मंत्री नामदार अजित दादा पवार ने गहरा शोक व्यक्त किया है। इस संबंध में उन्होंने काज़ी हयातुल्ला के ज्येष्ठ पुत्र, पत्रकार काज़ी अमान को शोक संदेश भी भेजा है।

नामदार अजित दादा पवार ने अपने शोक संदेश में कहा है कि, आपके पिताजी काज़ी हयातुल्ला के निधन का समाचार पाकर मुझे अत्यंत दुख हुआ। पितृवियोग का दुःख अत्यंत गहन होता है। इस कठिन समय में आपको और आपके परिवार को दुःख सहने की शक्ति मिले, ऐसी मेरी प्रार्थना है। इस शोक की घड़ी में मैं, पवार परिवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी आपके साथ सहभागी हैं। आपके स्वर्गीय पिताजी की आत्मा को सद्गति प्राप्त हो, ऐसी ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।

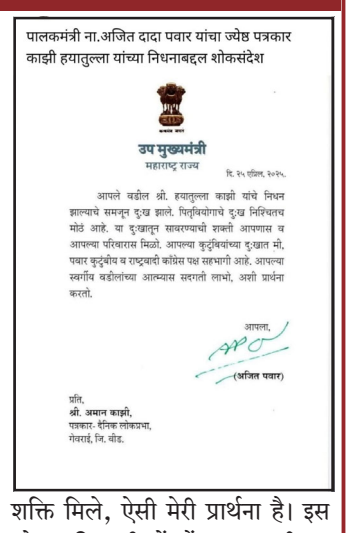

पालकमंत्री ना.अजित दादा पवार यांचा ज्येष्ठ पत्रकार काझी हयातुल्ला यांच्या निधनाबद्दल शोकसंदेश

उप मुख्यमंत्री
महाराष्ट्र राज्य

दि. २५ एप्रिल, २०२५.

आपले वडील श्री. हयातुल्ला काझी यांचे निधन झाल्याचे समजून दुःख झाले. पितृवियोगाचे दुःख निश्चितच मोठे आहे. या दुःखातून सावरण्याची शक्ती आपणास व आपल्या परिवारास मिळो. आपल्या कुटुंबियांच्या दुःखात मी, पवार कुटुंबीय व राष्ट्रवादी काँग्रेस पक्ष सहभागी आहे. आपल्या स्वर्गीय वडीलांच्या आत्म्यास सदगती लाभो, अशी प्रार्थना करतो.

आपला,
(अजित पवार)

प्रति,
श्री. अमान काझी,
पत्रकार- दैनिक लोकप्रभा,
गेवराई, जि. बीड.

अल्लाह की मिलकियत (वक़्फ) किसी के हलक़ में जाने नहीं देंगे : मुफ्ती मोहम्मद हारून नदवी

आदिलाबाद (मुक्ताई नगर) में वक़्फ बचाओ अभियान बेहद कामियाब वक़्फ का मालिक सिर्फ और सिर्फ अल्लाह है, मस्जिदें दर्गाह क़ब्रस्तान ईदगाह यतीमखाना मुसाफिर खाना और हमारे विकास के लिए हमारे बुज़ुर्गों ने अल्लाह के नाम पर लाखों एकर ज़मीन प्रॉपर्टी छोड़ी है जिस पर इन चोरों की नज़र पड़ गयी है, कुछ हमारी भी गलतियां हैं जो आज हमको महंगी पड़ रही है, खैर वक़्फ का मसला हमारा धार्मिक मसला है, हमारे प्यारे संविधान ने हमको हक़ दिया है, लेकिन नाजायज़ तरीके से हठधर्मी और हिटलर बनकर हमारे हक़ हमारे अवक़ाफ़ पर कब्ज़ा करने की नापाक शैतानी कोशिस की गई है जो हम किसी भी हाल बर्दाश्त नहीं करेंगे, हम वक़्फ के सरकारी काले क़ानून का विरोध करेंगे ऐसे जज़्बाती अन्दाज़ में आल इंडिया पर्सनल लॉ बोर्ड को-ऑर्डिनेशन कमेटी जलगांव ज़िला के अध्यक्ष हज़रत मुफ्ती मोहम्मद हारून नदवी ने मरकज़ नगर मरकज़ मस्जिद के ग्राउंड में सैंकड़ों मुसलमानों को वक़्फ की अहमियत समझाते हुए बात पेश की,मनियर बिरादरी के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने वक़्फ क़ानून की बारीकियों पर तफसीली बात रखी, और अल्हाज अब्दुल करीम सालार साहब ने वक़्फ क़ानून में सरकार ने क्या क्या बदमाशी की है इसको तफसीली बयान किया, शहर के बुजुर्ग अब्दुल मजीद साहब की अध्यक्षता में ये जलसा ए आम रखा गया था । अयाज़ अली भाई ने भी अपनी बात पेश करते हुए कैसे इस काले क़ानून का मुक़ाबला किया जा सकता है और इसको रद्द किया जा सकता है वो समझाया । आखिर में मुफ्ती हारून साहब की दुआ पर ये इज्लास खतम हुवा ।

बीड जिले के इतिहास में रोटरी क्लब ने रचा इतिहास

रोटरी क्लब ऑफ बीड द्वारा चंपावतीरत्न पुरस्कार प्रदान समारोह संपन्न

(बीड संवाददाता):

२६ अप्रैल २०२५ को बीड में विश्व विजेता भारतीय खो-खो टीम की कप्तान कु. प्रियंका हनुमंत इंगळे को रोटरी क्लब ऑफ बीड की ओर से चंपावतीरत्न पुरस्कार एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बीड विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक मा. सुनील दादा धांडे ने की, जबकि प्रमुख अतिथि के रूप में रोटरी डिस्ट्रिक्ट ३१३२ के प्रांतपाल डॉ. सुरेश साबू, निवासी जिलाधिकारी मा. शिवकुमार स्वामी, जिला खेल अधिकारी मा. अरविंद विद्यागर, तथा महाराष्ट्र एमेच्योर खो-खो संघ की संयुक्त सचिव मा. वर्षा दिक्कत उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष, प्रमुख अतिथियों, आयोजकों और पुरस्कार विजेता प्रियंका इंगळे के हाथों दीप प्रज्वलन कर की गई। इस अवसर पर कल्याण पिंगळे दाजी पब्लिक स्कूल के छात्रों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर सभी अतिथियों का अभिनंदन किया।

सभी मान्यवरों के हाथों प्रियंका इंगळे को शॉल, हार, सम्मान पत्र और फेटा पहनाकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रियंका के माता-पिता और परिजन भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के अंतर्गत मैं कैसे बना इस विषय पर कई मान्यवरों ने अपने जीवन में रोटरी क्लब की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस सत्र में पूर्व अध्यक्ष सुरज लाहोटी, अमर डागा, और सीए सुरेशजी लड्ढा ने अपने अनुभव साझा किए।

प्रमुख अतिथि रोटरी प्रांतपाल डॉ. सुरेश साबू ने रोटरी के अंतरराष्ट्रीय कार्यों का लेखाजोखा प्रस्तुत किया और रोटरी क्लब ऑफ बीड द्वारा आयोजित इस भव्य चंपावतीरत्न पुरस्कार समारोह की भरपूर सराहना की।

निवासी जिलाधिकारी मा. शिवकुमार स्वामी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रियंका इंगळे के अद्भुत कार्यों ने बीड जिले की धूमिल छवि को फिर से गौरवान्वित किया है। जिला खेल अधिकारी अरविंद विद्यागर ने भी प्रेरणादायक मार्गदर्शन देते हुए कहा कि बीड के छात्रों को प्रियंका इंगळे से प्रेरणा लेकर विभिन्न क्षेत्रों में ऊंचाइयां छूनी चाहिए।

समापन भाषण में अध्यक्ष और पूर्व विधायक सुनील दादा धांडे ने कहा कि रोटरी क्लब ऑफ बीड ने अब तक २१ चंपावतीरत्न पुरस्कार प्रदान कर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वालों का सम्मान किया है। साथ ही रोटरी क्लब ने जिले के वंचित समाज, जल समस्या, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, बिंदुसरा धरण में गाद हटाने जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य भी किए हैं, जिसके लिए क्लब की सराहना की जानी चाहिए। इस कार्यक्रम का आयोजन रोटरी क्लब ऑफ बीड के अध्यक्ष डॉ. मेघराज पिंगळे, सचिव संदीप खोड और समस्त सदस्यों द्वारा किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा और स्वागत भाषण डॉ. मेघराज पिंगळे ने प्रस्तुत किया, जबकि आभार प्रदर्शन सचिव संदीप खोड ने किया। कार्यक्रम का संचालन रो. सुनील जोशी और रो. राजेंद्र मुनोत ने शानदार तरीके से किया। कार्यक्रम की सफलता में अध्यक्ष डॉ. मेघराज पिंगळे, संदीप खोड, सुरेशजी लड्ढा, सुहास बेद्रे और रोटरी क्लब के अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम का समापन पहलगाम में आतंकी हमले में मृत्युमुखी पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर और राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके बाद उपस्थित सभी अतिथियों के लिए स्नेहभोज की उत्तम व्यवस्था की गई थी।

आतंकी हमले में शहीदों के परिजनों को नागरिक वीरता पुरस्कार और सरकारी नौकरी दी जाए: सुप्रिया सुले

ईडी दफ्तर में आगजनी पर फायर सेफ्टी पर सवाल, पहलगाम हमले पर मीडिया के संयमित रुख की सराहना

(रिपोर्ट: अज़ीज़ एजाज़)
मुंबई, २८ अप्रैल:

एनसीपी (शरद पवार गुट) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद सुप्रिया सुले ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मांग की है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए महाराष्ट्र के छह नागरिकों के परिजनों को १ मई, महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर 'नागरिक वीरता पुरस्कार' से सम्मानित किया जाए। साथ ही शहीदों के परिजनों को उनकी शैक्षणिक योग्यता के अनुसार सरकारी नौकरी भी प्रदान की जाए।

मुंबई में मीडिया से बातचीत करते हुए सुप्रिया सुले ने विशेष रूप से संतोष जगदाले की बेटी आसावरी जगदाले का उल्लेख किया, जो कानून की पढ़ाई कर रही हैं। उन्होंने मांग की कि आसावरी को सरकारी सेवा में शामिल कर राज्य की सेवा का अवसर दिया जाए। सुप्रिया सुले ने पहलगाम में निर्दोष नागरिकों की बर्बर हत्या पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि आतंकवादियों ने महाराष्ट्र के संजय लीले, हेमंत जोशी, अतुल मोने, दिलीप देशले, कौस्तुभ गणबोते और संतोष जगदाले की निर्मम हत्या की, जिससे पूरा देश शोक और आक्रोश में है। उन्होंने कहा कि यह हमला भारत की अखंडता पर सीधा हमला है और देश के कोने-कोने से लोग एकजुट होकर आतंक के खिलाफ खड़े हैं। शहीदों के परिवारों की अद्भुत हिम्मत की सराहना करते हुए सुप्रिया सुले ने कहा कि अपनों को खोने के बावजूद जिस साहस से इन परिवारों ने परिस्थितियों का सामना किया, वह सचमुच सम्मान के योग्य है। इसी आधार पर उन्हें 'नागरिक वीरता पुरस्कार' से सम्मानित किया जाना चाहिए।

आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की जरूरत पर बल देते हुए सुप्रिया सुले ने कहा कि जैसे मुंबई ने बम धमाकों के बाद तेजी से सामान्य स्थिति बहाल की थी, वैसे ही अब पूरे देश को मिलकर कश्मीर में भी हालात सुधारने के लिए प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के मंसूबों को विफल करना हम सभी की राष्ट्रीय जिम्मेदारी है।

केंद्र सरकार के रुख पर विश्वास व्यक्त करते हुए सुप्रिया सुले ने कहा कि केंद्र इस हमले के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा। साथ ही उन्होंने राज्य सरकार से अपील की कि वह मानवता के नाते शहीद परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करे।

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए सुप्रिया सुले ने कहा कि यदि बीजेपी के सांसद ही सरकार पर सवाल उठा रहे हैं तो उन्हें यह सवाल केंद्र सरकार से पूछना चाहिए। सुप्रिया सुले ने स्पष्ट किया कि फिलहाल उनकी पार्टी राष्ट्रीय हित में केंद्र सरकार का समर्थन कर रही है और किसी तरह की आलोचना नहीं करेगी। ईडी दफ्तर में लगी आग पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि आग लगने के शुरुआती समय में उस पर काबू क्यों नहीं पाया जा सका? क्या फायर सेफ्टी के इंतजाम नाकाफी थे? यदि महत्वपूर्ण फाइलें जल गई हैं तो उनका बैकअप मौजूद है या नहीं, और यदि बैकअप नहीं है तो यह बेहद गंभीर मामला है।

सुप्रिया सुले ने मीडिया की जिम्मेदारी का उल्लेख करते हुए कहा कि महाराष्ट्र के मीडिया ने पहलगाम हमले के बाद संयमित रवैया अपनाया और भावनाएं भड़काने वाले दृश्य प्रसारित करने से बचा, जिसके लिए मीडिया की सराहना की जानी चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पुरंदर में हवाई अड्डे का निर्माण जनता की सहमति से किया जाना चाहिए, जबरन नहीं। नशीली दवाओं के खिलाफ संघर्ष पर बोलते हुए सुप्रिया सुले ने कहा कि वे सरकार के साथ मिलकर 'ड्रग फ्री महाराष्ट्र' बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगी।

परळी में १ मई को कांग्रेस का सद्भावना संकल्प सत्याग्रह

मुंबई, २८ अप्रैल २०२५ (प्रतिनिधि):

राज्य में सामाजिक सौहार्द और महाराष्ट्र धर्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा सद्भावना यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में, आगामी १ मई को बीड़ जिले के परळी में प्रदेश कांग्रेस की ओर से सद्भावना संकल्प सत्याग्रह आयोजित किया जाएगा। इस सत्याग्रह का नेतृत्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ करेंगे, जिसमें सांसद रजनीताई पाटील समेत कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पदाधिकारी भाग लेंगे। बीड़ जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राहुल सोनवणे ने परळी शहर और आसपास के नागरिकों से इस कार्यक्रम में भारी संख्या में उपस्थित रहने की अपील की है।

सत्याग्रह की तैयारियों के सिलसिले में आज परळी में कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए राहुल सोनवणे ने कहा कि परभणी, बीड़, नागपुर समेत राज्य में हाल ही में हुई कुछ घटनाओं ने सामाजिक सौहार्द को चोट पहुँचाने का प्रयास किया है। छत्रपति शिवाजी महाराज, शाहू महाराज, महात्मा फुले और महामानव डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जैसे महानायकों के प्रगतिशील राज्य में कुछ शक्तियाँ जानबूझकर माहौल बिगाड़कर महाराष्ट्र को अस्थिर और अशांत करने की साजिश कर रही हैं। दुर्भाग्यवश इन विघटनकारी ताकतों को सत्ता का संरक्षण भी मिल रहा है।

राहुल सोनवणे ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी राज्य में सभी जाति-धर्म के लोगों के बीच एकता और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सद्भावना यात्राओं का आयोजन कर रही है। इससे पूर्व मस्साजोग से बीड़ और नागपुर में आयोजित सद्भावना यात्राओं को जनता ने भारी समर्थन दिया था, और अब नासिक में भी ऐसी ही यात्रा आयोजित की जा रही है।

बीते कुछ दिनों से बीड़ और परळी क्षेत्र में घटी घटनाओं के मद्देनजर परळी में सामाजिक सौहार्द की नितांत आवश्यकता महसूस हो रही है। इसी के चलते १ मई को परळी के मोंढा क्षेत्र स्थित गांधी स्मारक स्तंभ पर सद्भावना संकल्प सत्याग्रह आयोजित किया जा रहा है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राहुल सोनवणे ने सामाजिक कार्यकर्ताओं, प्रतिष्ठित नागरिकों, डॉक्टरों, वकीलों सहित सभी वर्गों से इस कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराने की अपील की है।

इस अवसर पर परळी शहर कांग्रेस अध्यक्ष बहादूर भाई, एडवोकेट प्रकाश मुंडे, प्रकाशराव देशमुख, शिवाजीराव देशमुख समेत कई कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com